हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बुधवार 25 जून 2025, आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या, विक्रम संवत् 2082, पटना

### सभी सरकारी अस्पतालों में नई और आधुनिक सुविधाओं का हो रहा विस्तार : मंगल

# आईजीआईएमएस में खेल-पढ़ाई संग बच्चों के कैंसर का होगा इलाज

**10** करोड़ रुपये की लागत से सुविधाएं शुरू की गईं संस्थान में

- स्वास्थ्य मंत्री ने कैंसर संस्थान में सुविधाओं का शुभारंभ किया
- पीड़ित बच्चों के लिए डायटिशियन और पैथोलॉजिस्ट की भी तैनाती

आईजीआईएमएस में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी वार्ड का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ।

**पटना, प्रसं।** आईजीआईएमएस में कैंसर पीड़ित बच्चे को इलाज के दौरान पढ़ाई करने और खेलने-कूदने की भी सुविधा मिलेगी। संस्थान के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में उनके लिए अलग से 10 बेड के पेडियाट्रिक कैंसर वार्ड की शुरुआत स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की। इसके साथ ही उन्होंने आठ करोड़ की लागत से तीन अन्य सुविधाओं का उद्घाटन मंगलवार को किया।

इनमें तीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, 500 बेड के नये अस्पताल के छठे फ्लोर पर रोबोटिक फिजियोथेरेपी समेत अन्य कई उपकरणों और मॉलिकुलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब का लोकार्पण शामिल है। निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने बताया कि इन सुविधाओं पर लगभग 10 करोड़ की रुपये की लगात आई है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस समेत बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों में लगातार नई व आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। अब राज्य की जनता को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं होगी। समय पर इन चारों परियोजना को पूरा करने पर उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार और उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा को भी बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी वार्ड में बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ खेल के लिए अलग से सुविधा मिलेगी। वार्ड में पार्क की तरह झूला, खेलकूद की सामग्री का निर्माण कराया गया है। पीड़ित बच्चों के खान-पान के लिए डायटिशियन और जांच के लिए अलग से पैथोलॉजिस्ट की भी तैनाती यहां की गई है। उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि संस्थान में पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी की सुविधा शुरू होने से गरीब मरीजों का इलाज बेहद न्यूनतम खर्च पर हो सकेगा। निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इंजरी जैसे न्यूरो संबंधित विकार शारीरिक अक्षमता के बड़े कारणों में से एक हैं। संस्थान में रोबोटिक फिजियोथेरेपी शुरू होने से ऐसे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक मशीनों बीमारियों के कारणों की सटीक पहचान कर उपचार करने में सक्षम है। इसके माध्यम से त्वरित रिकवरी होगी। दीघा विधायक संजीव चौरसिया, आई बैंक प्रभारी डॉ. निलेश मोहन, कैंसर विभाग के डॉ. शशि पवार, ईएनटी विभाग के हेड डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ ऋचा माधवी समेत कई चिकित्सक मौजूद थे।

# *IGIMS gets oncology ward, two modular OTs & other facilities*

**Jainarain Pandey** | TNN

**Patna:** Health minister Mangal Pandey on Tuesday inaugurated four new facilities in the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGIMS). The facilities have been developed with an expenditure of Rs 8 crore and include paediatric oncology ward, two modular OTs, robotic operated physiotherapy and molecular pharmacology research lab in the pharmacology department.

The minister said the 12-bed paediatric oncology ward has been built to provide a family-like atmosphere to the children undergoing treatment there. The facilities include playing, studying with a child psychologist and dietician.

The minister, along with Digha MLA Sanjeev Chaurasia, also met children who have overcome cancer with great joy and inquired about their well-being.

Ranjeet Kumar

State health minister Mangal Pandey meets cancer survivors at IGIMS in Patna on Tuesday

Pandey said the modern modular OTs in the cancer department include high quality ventilation and filtration systems for infection control of the patients of the State Cancer Centre during and after surgery. "The new OTs will prove to be more effective in the fight against cancer," he said.

The minister thanked the IOCL for providing funds under CSR for the modern equipment in the physiotherapy department. "It will help in the treatment of spinal pain, spondylitis, problems due to nerve compression etc. An attempt is being made to give a modern form to physiotherapy for many diseases like brain injury, Parkinson and stroke. The equipment have been developed with indigenous technology by experts from institutions like AIIMS, New Delhi and IIT," he said.

The minister thanked IGIMS director Dr Binde Kumar, deputy director (administration) Dr Vibhuti Prasanna Sinha and senior doctors for their continuous service to the patients.

P.R.O. Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura

& CO. LTD. | Estd. MDCCCXXXVIII | VOL. XII NO. 148 PATNA | WEDNESDAY, JUNE 25, 2025 | PAGES 28 | PRICE ₹5 OR ₹9 ALONG WITH THE ECONOMIC TIMES IN
TIMES OF INDIA

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

# दैनिक भास्कर

कुल पेज 18 **बिहार** मूल्य ₹ 4.00 | वर्ष 12, अंक 154

पटना, बुधवार, 25 जून, 2025 | आषाढ़, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, 2082

**सिटी एंकर** पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी वार्ड समेत चार नई सुविधाओं की शुरुआत, स्वास्थ्य मंत्री ने उद्घाटन किया

## आईजीआईएमएस : खेल और पढ़ाई के साथ बच्चों के कैंसर का इलाज होगा

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

आईजीआईएमएस में कैंसर पीड़ित बच्चों का इलाज खेल और पढ़ाई के साथ होगा। 10 बेड के पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी वार्ड में पीड़ित बच्चों की पढ़ाई और खेल की सुविधा दी गई है। पार्क की तरह झूला भी लगाया गया है। अलग से पैथोलॉजिस्ट और डायटिशियन तैनात किए गए हैं। पारिवारिक माहौल में बच्चों के इलाज के साथ पढ़ाई और मनोरंजन भी होगा। मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने स्टेट कैंसर सेंटर में पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी कैंसर वार्ड का उद्घाटन किया। साथ ही तीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, 500 बेड के नए अस्पताल के छठे फ्लोर पर रोबोटिक समेत कई उपकरण और मॉलेकुलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब का भी उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में लगातार नई और आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। आईजीआईएमएस को पूर्वी भारत का बेहतरीन अस्पताल बनाया जा रहा है। जल्द ही क्रिटिकल केयर यूनिट के साथ कई नई सुविधाएं मिलेंगी।

### मामूली खर्च में इलाज होगा

अस्पताल के उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी की सुविधा शुरू होने से गरीब परिवार के बच्चों का नाम मात्र के खर्च कर इलाज संभव हो गया है। प्राइवेट अस्पतालों में लाखों खर्च करने पड़ते हैं। यहां 1250 बेड का अस्पताल बन रहा है, जिसका काम तेजी से चल रहा है। दो-तीन माह में इसके दो टावरों का उद्घाटन हो जाएगा। इसके अलावा नेत्र रोग विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी, क्रिटिकल केयर यूनिट में अतिरिक्त बेड, लाखों के उपकरण आदि की सुविधा भी जल्द मिलने जा रही है।

### रोबोटिक न्यूरो फिजियोथेरेपी की सुविधा बहाल

निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इंज्युरी में फिजियोथेरेपी की अहम भूमिका होती है। लेकिन अब इन मरीजों का रोबोट तकनीक से इलाज शुरू कर दिया गया है। बायो फीडबैक आधारित रोबोटिक मशीन से मांसपेशियों की जांच कर यह पता लगाया जा सकता है कि मरीज के ब्रेन से जो सिग्नल्स आ रहे हैं, उन पर मांसपेशियां कितना काम कर रही हैं। उसी आधार पर रोबोट मरीज को मूवमेंट में सपोर्ट करता है। जल्द ही यहां कई और नई सुविधाएं शुरू होंगी। उद्घाटन के मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, डॉ. निलेश मोहन, डॉ. शशि पवार, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. ऋचा माधवी मौजूद थे।

आज

पटना महानगर

# कैंसर से और प्रभावी ढंग से लड़ सकेंगे : मंगल

## आठ करोड़ की लागत से स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस में चार नयी सुविधाओं का किया उद्घाटन

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस में चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें पेडियेट्रिक्स ऑन्कोलॉजी वार्ड, दो मॉड्यूलर ओटी, एससीआई में रोबोटिक से संचालित फिजियोथेरेपी एवं मॉलेक्यूर फॉर्माकोलॉजी रिसर्च लैब का लोकार्पण मरीजों के हित में किया हैं। उपरोक्त सुविधा आठ करोड़ की लागत से निर्माण किया गया हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बिहार का पहला आईजीआईएमएस में पेडियेट्रिक्स ऑन्कोलॉजी वार्ड का उद्घाटन किया गया हैं। उद्घाटन 12 बेड का हुआ हैं। लेकिन, दस बेड की सुविधा मरीजों को मिलेगा। ये वार्ड बच्चे के लिए परिवारिक माहौल के अनुसार बनाया गया हैं। बच्चे के उपचार के साथ-साथ कई प्रकार के खेल गतिविधियों का भी सुविधा व्यवस्था की गई। बच्चे खेल, पढ़ाई के साथ झूला आदि का भी आनंद लें सकेंगे। ताकि, उनको किसी प्रकार के परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ें। बच्चे के उपचार के लिए चाइल्ड साइकोलोजिस्ट एवं डायटिशियन को नियुक्त किया गया हैं। ये वार्ड संक्रमण से सुरक्षित एवं बच्चों के अनुकूल बनाया गया हैं। जिससे बच्चों को सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण मिल सकेगा। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री एवं दीघा विधायक डा.संजीव चौरसिया ने कैंसर से जीत चुके बच्चों से मिले और उनका हालचाल पूछा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कैंसर विभाग के मॉड्यूलर ओटी के उद्घाटन के मौके पर कहा कि इसके शुरूआत होने से कैंसर के खिलाफ और प्रभाव ढंग से लड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में अत्याधुनिक उपकरणों से लैस फिजियोथेरेपी की सुविधाओं मरीजों को मिलेगा। सीएसआर फंड के तहत राशि उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य मंत्री ने आभार व्यक्त किया हैं। इसमें कई सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। रीढ़ की हड्डी का दर्द, स्पाइनलाईटिस, नस दबने के कारण आने वाली परेशानी जैसे मरीजों को इलाज होगा। उन्होंने मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब के बारे में बताते हुए, कहा कि यह एक शोध लैब की सुविधा नहीं बल्कि यह वह स्थान जहां रिसर्च भी किया जा सकेगा। फार्माकोलॉजी का तात्पर्य औषधियों का विज्ञान है एवं औषधियों का विज्ञान ही स्वास्थ्य सेवाओं का आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि इस विभाग के वैज्ञानिकों स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर समेत सभी तरह के कैंसर गैर-नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर जैसे सभी पर अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा हैं। मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब एक नये ऊँचाईयों पर ले जायेगा।

संस्थान के निदेशक डा. बिन्दे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इज्यूरी मरीजों को रोबोटिक न्यूरो फिजियोथेरेपी विधि से मरीजों को इलाज होगा। उन्होंने कहा कि बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक मशीनों से नई तकनीक के माध्यम से मांसपेशियों की जांच कर ये पता लगाया जा सकता है कि मरीज के ब्रेन से जो सिग्नल आ रहा हैं उन पर मांसपेशियां कितना काम कर रही हैं। उसी के आधार पर रोबोट मरीज को मूवमेंट में सपोर्ट करता हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां और कई नई सुविधाएं शुरू होगी। संस्थान के उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पूरा किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी को सुविधा शुरू होने से गरबी व पीड़ित मरीजों का कम दरों पर इलाज संभव हो पायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के दिशा-निर्देश पर आईजीआईएमएस में 1250 बेड का अस्पताल का निर्माण हो रहा हैं। कुछ महीनों में दो टावर का उद्घाटन किया जायेगा। इसके अलावा नेत्र रोग विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी, क्रिटकल केयर यूनिट में अतिरिक्त बेड एवं नई उपकरण आदि की सुविधा जल्द ही संस्थान में मिलने जा रही हैं।

कार्यक्रम में आई बैंक के इंजार्च डा.निलेश मोहन, कैंसर विभाग के डा.शशि पवार, इएनटी विभाग के डा.राकेश कुमार सिंह, कैंसर विभाग के डा.संगीता पंकज, डा.ऋचा माधवी, डा.दिनेश कुमार, डा.राजकुमार, शोभा सिंह सहित अन्य वरीय चिकित्सक उपस्थित थे।

ालिक के
ा कि पिछले
ो सूचना
ो उनके पति
यहां
ायब करने
लापता कर
। करा ली।
ाद में पता
पटना सदर
ाया। इसके
ो हैं तथा
ो सूचना थाने
ीला ने
कराने, अपनी

# कैंसर पीड़ित बच्चों के खेलने की भी सुविधा

**पटना (एसएनबी)।** आईजीआईएमएस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें स्टेट कैंसर सेंटर में 10 बेड का पेडियाट्रिकअन्कोलॉजी कैंसर वार्ड, तीन मड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, 500 बेड के नये अस्पताल के छठे फ्लोर पर रोबोटिक समेत अन्य कई उपकरण और मलेकुलर फार्माकोलजी रिसर्च लैब शामिल हैं।

उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस सहित बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों में लगातार नई व आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में आईजीआईएमएस में कई नई सुविधाएं मरीज व उनके परिजनों को मिलने जा रहीं हैं। मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएसप्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल है जहां खेल के साथ मासूमों के कैंसर का इलाज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कुल 12 बेड का पेडियाट्रिक अन्कोलजी वार्ड है इसमें 10 बेड पर इलाज की सुविधा शुरू कर दी गई है। यहां बच्चों की पढ़ाई के साथ खेल की भी सुविधा

**आईजीआईएमएस**

**■ दो करोड़ का रोबोट कर रहा मरीजों की फिजियोथेरेपी**

दी गई है। यहां पार्क की तरह झूला आदि का भी निर्माण कराया गया है। यहां अलग से पैथोलजिस्ट व डायटिशिन नियुक्त किये गये हैं।

मौके पर अस्पताल के निदेशक डॉ. बिंदे कमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इंजुरी जैसे न्यूरो संबंधित विकार शारीरिक अक्षमता के सबसे बड़े कारणों में से एक हैं। इस तरह के मरीजों की रिकवरी में फिजियोथेरेपी की बहुत अहम भूमिका रहती है। इन मरीजों का रोबोट तकनीक से इलाज संस्थान में शुरू कर दिया गया है। निदेशक ने कहा कि बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक मशीनों और नई तकनीक से मांसपेशियों की जांच कर पता लगाया जा सकता है कि मरीज के ब्रेन से जो सिगनल्स आ रहे हैं, उन पर मांसपेशियां कितना काम कर रहीं हैं। उसी आधार पर रोबोट मरीज को मूवमेंट में सपोर्ट करता है। उद्घाटन के मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा, आई बैंक के इंचार्ज डॉ. निलेश मोहन, कैंसर विभाग के डॉ. शशि पवार, इएनटी के डॉ राकेश कुमार सिंह, डॉ दिनेश कुमार, डॉ ऋचा माधवी आदि मौजूद थे।


वीर माधो सिंह भण्डारी उत्त
(Formerly Uttarakhand Technical University, Estab
सुद्धोवाला, पो0आ0 चंदनवाड़ी, प्रेमन
ई-मेल : helputuums@uktech.a

प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाईन काउंसि

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून के कै
इंजीनियरिंग कॉलेजो एवं कॉलेज ऑफ टैक्नोलॉजी जी0बी0पी0यू0ए0टी0
BHMCT, BALLB, BBALLB, LLB, BCA, M.TECH,
IN CYBER SECURITY के पाठ्यक्रमो मे प्रथम वर्ष मे प्रवेश हेतु 3

| Counselling Phase | Period of Counselling Fee Deposition, Online Registration | Period of Choice Filling | S Allo D |
|---|---|---|---|
| FIRST | 26-06-25 TO 27-06-25 | 26-06-25 TO 28-06-25 | 03- |
| SECOND | 09-07-25 TO 10-07-25 | 09-07-25 TO 11-07-25 | 15- |
| THIRD | 21-07-25 TO 22-07-25 | 21-07-25 TO 23-07-25 | 28- |

ऑनलाईन काउंसिलिंग प्रक्रिया Freeze/Float/Withdra
आवेदन हेतु विस्तृत सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.uk
नोट :- विश्वविद्यालय द्वारा फार्मेसी पाठ्यक्रमो के प्रथम वर्ष हेतु प्रवेश प्रक्रिया वि
शीघ्र प्रारम्भ की जायेगी, जिसकी सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.uk
वि0सं0 748 /UTU/Counseling-2025/का0स0/2025-26 दि



आज
पटना महानगर


# कैंसर से और प्रभावी ढंग से लड़ सकेंगे : मंगल

## आठ करोड़ की लागत से स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस में चार नयी सुविधाओं का किया उद्घाटन

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस में चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें पेडियेट्रिक्स ऑन्कोलॉजी वार्ड, दो मॉड्यूलर ओटी, एससीआई में रोबोटिक से संचालित फिजियोथेरेपी एवं मॉलेक्यूर फॉर्माकोलॉजी रिसर्च लैब का लोकार्पण मरीजों के हित में किया हैं। उपरोक्त सुविधा आठ करोड़ की लागत से निर्माण किया गया हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बिहार का पहला आईजीआईएमएस में पेडियेट्रिक्स ऑन्कोलॉजी वार्ड का उद्घाटन किया गया हैं। उद्घाटन 12 बेड का हुआ हैं। लेकिन, दस बेड की सुविधा मरीजों को मिलेगा। ये वार्ड बच्चे के लिए परिवारिक माहौल के अनुसार बनाया गया हैं। बच्चे के उपचार के साथ-साथ कई प्रकार के खेल गतिविधियों का भी सुविधा व्यवस्था की गई। बच्चे खेल, पढ़ाई के साथ झुला आदि का भी आनंद लें सकेंगे। ताकि, उनको किसी प्रकार के परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ें। बच्चे के उपचार के लिए चाइल्ड साइकोलोजिस्ट एवं डायटिशियन को नियुक्त किया गया हैं। ये वार्ड संक्रमण से सुरक्षित एवं बच्चों के अनुकूल बनाया गया हैं। जिससे बच्चों को सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण

मिल सकेगा। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री एवं दीघा विधायक डा.संजीव चौरसिया ने कैंसर से जीत चुके बच्चों से मिले और उनका हालचाल पूछा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कैंसर विभाग के मॉड्यूलर ओटी के उद्घाटन के मौके पर कहा कि इसके शुरूआत होने से कैंसर के खिलाफ और प्रभाव ढंग से लड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में अत्याधुनिक उपकरणों से लैंस फिजियोथेरेपी की सुविधाओं मरीजों को मिलेगा। सीएसआर फंड के तहत राशि उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य मंत्री ने आभार व्यक्त किया हैं। इसमें कई सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। रीढ़ की हड्डी का दर्द, स्पाइनलाईटिस, नस दबने के कारण आने वाली परेशानी जैसे मरीजों को इलाज होगा। उन्होंने मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैंब के बारे में बताते हुए कहा कि यह एक शोध लैब की सुविधा नहीं बल्कि यह वह स्थान जहां रिसर्च भी किया जा सकेगा। फार्माकोलॉजी का तात्पर्य औषधियों का विज्ञान है एवं औषधियों का विज्ञान ही स्वास्थ्य सेवाओं का आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि इस विभाग के वैज्ञानिकों स्तन कैंसर, सवाईकल कैंसर समेत सभी तरह के कैंसर गैर-नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर जैसे सभी पर अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा हैं। मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब एक नये ऊँचाइंयों पर ले जायेगा।

संस्थान के निदेशक डा.बिन्दे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इज्यूरी मरीजों को रोबोटिक न्यूरो फिजियोथेरेपी विधि से मरीजों को इलाज होगा। उन्होंने कहा कि बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक मशीनों से नई तकनीक के माध्यम से मांसपेशियों की जांच कर ये पता लगाया जा सकता है कि मरीज के ब्रेन से जो सिग्नल आ रहा हैं उन पर मांसपेशियां कितना काम कर रही हैं। उसी के आधार पर रोबोट मरीज को मूवमेंट में सपोर्ट करता हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां और कई नई सुविधाएं शुरू होगी। संस्थान के उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पूरा किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी की सुविधा शुरू होने से गरबी व पीड़ित मरीजों का कम दरों पर इलाज संभव हो पायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के दिशा-निर्देश पर आईजीआईएमएस में 1250 बेड का अस्पताल का निर्माण हो रहा हैं। कुछ महीनों में दो टावर का उद्घाटन किया जायेगा। इसके अलावा नेत्र रोग विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी, क्रिटकल केयर यूनिट में अतिरिक्त बेड एवं नई उपकरण आदि की सुविधा जल्द ही संस्थान में मिलने जा रही हैं।

कार्यक्रम में आई बैंक के इंजार्च डा.निलेश मोहन, कैंसर विभाग के डा.शशि पवार, इएनटी विभाग के डा.राकिश कुमार सिंह, कैंसर विभाग के डा.संगीता पंकज, डा.ऋचा माधवी, डा.दिनेश कुमार, डा.राजकुमार, शोभा सिंह सहित अन्य वरीय चिकित्सक उपस्थित थे।


पटना। बुधवार • 25 जून • 2025 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com



# कैंसर पीड़ित बच्चों के खेलने की भी सुविधा

**पटना (एसएनबी)।** आईजीआईएमएस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इनमें स्टेट कैंसर सेंटर में 10 बेड का पेडियाट्रिकअन्कोलॉजी कैंसर वार्ड, तीन मड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, 500 बेड के नये अस्पताल के छठे फ्लोर पर रोबोटिक समेत अन्य कई उपकरण और मलेकुलर फार्माकोलजी रिसर्च लैब शामिल हैं।

उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस सहित बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों में लगातार नई व आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में आईजीआईएमएस में कई नई सुविधाएं मरीज व उनके परिजनों को मिलने जा रहीं हैं। मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएसप्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल है जहां खेल के साथ मासूमों के कैंसर का इलाज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कुल 12 बेड का पेडियाट्रिक अन्कोलजी वार्ड है इसमें 10 बेड पर इलाज की सुविधा शुरू कर दी गई है। यहां बच्चों की पढ़ाई के साथ खेल की भी सुविधा

**आईजीआईएमएस**

**■ दो करोड़ का रोबोट कर रहा मरीजों की फिजियोथेरेपी**

दी गई है। यहां पार्क की तरह झूला आदि का भी निर्माण कराया गया है। यहां अलग से पैथोलजिस्ट व डायटिशिन नियुक्त किये गये हैं।

मौके पर अस्पताल के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इंजुरी जैसे न्यूरो संबंधित विकार शारीरिक अक्षमता के सबसे बड़े कारणों में से एक हैं। इस तरह के मरीजों की रिकवरी में फिजियोथेरेपी की बहुत अहम भूमिका रहती है। इन मरीजों का रोबोट तकनीक से इलाज संस्थान में शुरू कर दिया गया है। निदेशक ने कहा कि बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक मशीनों और नई तकनीक से मांसपेशियों की जांच कर पता लगाया जा सकता है कि मरीज के ब्रेन से जो सिगनल्स आ रहे हैं, उन पर मांसपेशियां कितना काम कर रहीं हैं। उसी आधार पर रोबोट मरीज को मूवमेंट में सपोर्ट करता है। उद्घाटन के मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा, आई बैंक के इंचार्ज डॉ. निलेश मोहन, कैंसर विभाग के डॉ. शशि पवार, इएनटी के डॉ राकेश कुमार सिंह, डॉ दिनेश कुमार, डॉ ऋचा माधवी आदि मौजूद थे।

टैक्नोलॉजी, अटलांटा, अमेरिका के सहयोग से बुधवार और गुरुवार को दो कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा होंगे। प्रमुख वक्ता जार्जिया इंस्टीट्यूट आफ टैक्नोलॉजी, अटलांटा, अमेरिका की प्रो. अंजलि थॉमस होंगी। प्रो. चार्ल्स हैकला भी शामिल होंगे। (जास)

ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह पोर्टल www.scholarships.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और चयनित छात्र वेबसाइट पर लाग इन कर अपने दस्तावेज अपलोड कर आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड ने अपनी वेबसाइट https://secondary.biharboardonline.com पर टाप 20 पर्सेंटाइल में शामिल छात्रों की सूची भी जारी कर दी है।

छात्र अपने रोल कोड और रोल नंबर से यह जांच सकते हैं कि वे पात्रता सूची में शामिल हैं या नहीं। समिति ने कहा है कि आवेदन के अभिभावक का सभी स्रोतों से वार्षिक आय 4.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

समिति के अधिकारियों का कहना है कि आवेदन से पहले दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें। किसी भी तरह की जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए, बोर्ड की वेबसाइट और एनएसपी पोर्टल पर दिये गये हेल्पडेस्क का उपयोग कर सकते हैं। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सभी पात्र छात्रों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ समय पर उठाएं और उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ें।

... इस अवसर ... शुक्ला ने अपने ... यदि हमें समय ... कदम मिला कर ... नई तकनीक का ... सफल होगा।

# आइजीआइएमएस में 10 करोड़ की लागत से चार अत्याधुनिक सु...

**बेहतरी की ओर**

- स्वास्थ्य मंत्री ने पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड, ओटी व अन्य सुविधाओं का किया उद्घाटन
- कैंसर पीड़ित बच्चों को इलाज के साथ मिलेगी पढ़ाई और खेल की सुविधा, तकनीक को बढ़ावा

**जागरण संवाददाता, पटना :** स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अब प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सपना है कि आइजीआइएमएस का नाम देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में शामिल हो, इसके लिए निरंतर नई सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। आने वाले चंद माह में आइजीआइएमएस में कई और नई सुविधाएं मरीजों व तीमारदारों को मिलने जा रही हैं। संस्थान प्रशासन तेजी से इनकी व्यवस्था करने में जुटा है। ये बातें उन्होंने मंगलवार को करीब 10 करोड़ की लागत से शुरू चार अत्याधुनिक सुविधाओं के उद्घाटन समारोह में कहीं। स्टेट कैंसर सेंटर में 10 बेड के पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड, तीन माड्यूलर आपरेशन थियेटर, 500 बेड के मेडिसिन ब्लाक के छठे तल पर रोबोटिक स्पाइनल मशीन, बीआर थैरेपी समेत तीन करोड़ के अत्याधुनिक उपकरणों व मालीक्यूलर फार्माकोलाजी रिसर्च लैब का लोकार्पण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने संस्थान के निदेशक डा. बिंदे कुमार व उपनिदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि आइजीआइएमएस में शुरू ये नई सुविधाएं प्रदेश स्वास्थ्य सेवा में मील का पत्थर साबित होंगी। मौके पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया, निदेशक डा. बिंदे कुमार, उपनिदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, नेत्र रोग विभाग में आइ बैंक के प्रभारी डा. नीलेश मोहन, डा. जयंत प्रकाश, कैंसर विभाग के डा. शशि पवार, डा. दिनेश कुमार, ईएनटी के विभागाध्यक्ष डा. राकेश कुमार सिंह, एनेस्थेसिया विभागाध्यक्ष डा. प्रकाश दुबे, डा. पीके झा, डा. संतोष कुमार, डा. राजकुमार, डा. निलेश कुमार, डा. प्रदीप जायसवाल, डा. प्रीतपाल सिंह, डा. ऋचा माधवी, डा. विनय पांडेय आदि मौजूद थे।

आइजीआइएमएस में प्रस्तावित पीजीआइडीईआर का माडल स्वास्थ्य मंत्री एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय को भेंट करते निदेशक डा. बिंदे कुमार ● जागरण

**पारिवारिक माहौल में होगा कैंसर पीड़ित बच्चों का इलाज**

आइजीआइएमएस प्रदेश का पहला सरकारी संस्थान बन गया है, जहां कैंसर पीड़ित बच्चों का इलाज पारिवारिक माहौल में होगा। 10 बेड के पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड में झूले, किताबें, खेलने की जगह के साथ डायटिशियन व पैथोलाजिस्ट की देखरेख में विशेष खानपान की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमउम्र बच्चों के बीच बच्चे सहज महसूस करेंगे व मानसिक राहत का इलाज पर सकारात्मक प्रभाव होगा। इससे वे न सिर्फ स्वस्थ होंगे बल्कि मुस्कराते हुए स्वस्थ जीवन की ओर लौटेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ... वाले दो माह में ... अस्पताल के दो ... का लक्ष्य है। इस ... से रोगियों को ... पड़ेगा। इसके ... विभाग में 24 ... क्रिटिकल केयर ... बेड व लाखों ... उपकरण जल्द मि...

**स्पाइन-लकवा रोबोटिक फिजियो...**

में अब लकवा, ... व ब्रेन इंज्युरी ... अत्याधुनिक बायो... रोबोटिक न्यूरो ... सुविधा मिलेगी। ... लागत की इस म... मस्तिष्क के संके... की प्रतिक्रियाओं ... उपचार होगा। इस ... डिसआर्डर के का... में अक्षम मरीज ... होंगे। ये सभी उप... आइआइटी के वि... तकनीक से विकसि...

# तेजप्रताप अब बनेंगे कामर्शियल पायलट

**राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना :** राजद विधायक तेजप्रताप यादव आने वाले वर्षों में संभवतः वाणिज्यिक (कामर्शियल) पायलट के रूप में दिखें। उड्डयन प्रशिक्षण निदेशालय ने प्रशिक्षण हेतु साक्षात्कार में तेजप्रताप समेत 18 प्रत्याशियों को सफल घोषित किया है। इस सूची के अनुसार, तेजप्रताप को वाणिज्यिक विमान चालक (सीपीएल) कोर्स में नामांकन की अनुमति मिल गई है। तेजप्रताप ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि पायलट की ट्रेनिंग पर मजाक उड़ाने वाले अब मेरा प्रमाण पत्र देख लें।

कभी कृष्ण तो कभी एंग्री यंगमैन जैसे वेश-भूषा धारण कर सुर्खियों में रहते आए तेजप्रताप की एविएशन के क्षेत्र में पहले से रुचि रही है। सोमवार को अपने उन्होंने अपनी जान पर खतरा बताते हुए बिहार सरकार से सुरक्षा की मांग की थी।

तेजप्रताप यादव

वे चार-पांच लोगों से खतरा बता रहे, जो उनके स्वजनों पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। उनमें से एक-दो को वे जयचंद की संज्ञा भी दे चुके हैं। दो बार से विधायक तेजप्रताप इस बार भी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। पिछले दोनों चुनाव उन्होंने सीटें बदलकर जीती हैं। अभी समस्तीपुर में हसनपुर से विधायक हैं। इस बार अपनी पुरानी सीट महुआ से चुनाव लड़ना चाहते हैं, जो वैशाली जिला में है। तेजप्रताप अगर पायलट बनते हैं तो सांसद राजीव प्रताप रूडी के बाद इस भूमिका में वे बिहार के दूसरे राजनेता होंगे।

विदित हो कि इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के दौरान तेजप्रताप यादव ने एक्स हैंडल पर पायलट की वर्दी में तस्वीर शेयर की थी। प्रधानमंत्री को संबोधित पोस्ट में वंदे मातरम लिखकर इच्छा जताई थी कि मेरी पायलट की ट्रेनिंग अगर देश के काम आ सकती है तो मैं हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हूं। देश के लिए मेरी जान भी चली जाए, तो अपने आपको भाग्यशाली समझूंगा। इस पोस्ट के बाद वह चर्चा में आ गए थे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू दीपा व अन्य ने उनकी योग्यता पर सवाल भी उठाए थे।

आपूर्ति एवं अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक में डीएम, डीडीसी और एस...

# सीएमआर आपूर्ति नहीं क... वाले पैक्सों पर होगी प्राथ...

**जागरण संवाददाता, पटना :** जिले के सभी पैक्स, जहां भौतिक सत्यापन में धान की मात्रा कम पाई गयी है वे 30 जून तक अपनी कमी दूर कर लें। एक सप्ताह में सभी पैक्स अवशेष धान मिल में जमा कर दें अन्यथा विधिसम्मत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1 जुलाई से आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले पैक्सों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। साथ ही नीलाम-पत्र वाद दायर कर समतुल्य राशि की वसूली भी की जाएगी। यह आदेश जिलाधिकारी डा. त्यागराजन एस.एम. ने आपूर्ति एवं अधिप्राप्ति से संबंधित जिला टास्क फोर्स की बैठक में दिया है। पटना समाहरणालय में आयोजित इस बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर जिला दंडाधिकारी (आपूर्ति), सभी अनुमंडल ... प्रबंधक राज्य ... जिला सहकारि... उपस्थित थे। बता... अधिप्राप्ति में कुल ... गए थे जिसमें 10... सीएमआर जमा ... पैक्स के भौतिक ... पैक्सों में धान ... मिली है। 15 जून ... के विरुद्ध अब तक ... 85.9 प्रतिशत ... किया गया है।

**संदिग्ध राशन का... कार्रवाई में शिथिल... दी चेतावनी, 160... पर नहीं जमा कि...**

BHAVYA SHREE INSTITUTE OF NURSING

नामांकन प्रारंभ

ANM, GNM

B.Sc. NURSING

Paramedical Courses: Dresser, DMLT

9955997476, 9955997479, 9955997484

web.: www.bsinpatna.com Email:bsinpatna@gmail.com

सभी वर्ग की महिलाओं एवं गरीब विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृति

AMBEDKAR INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION

**जनकल्याण राशन कार्डधारी संघ ने राशन नहीं मिलने का लगाया आरोप**

**जासं, पटना :** जनकल्याण राशन कार्डधारी संघ के दशरथ पासवान, राजेश पासवान, राजकुमार राजू, मदन शर्मा, राजकुमार सिंह एवं वीरेंद्र कुमार वंदवंशी ने खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग के सचिव पंकज कुमार को पत्र लिखकर मांग की है कि पूरे राज्य में तीन माह के राशन उठाव में गरीबों को अनाज से वंचित रहना पड़ रहा है।

# सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथ...

**जागरण संवाददाता, पटना :** वर्षा ऋतु में प्रदेश समेत पूरे देश में सांप ...

- त्वरित उपचार पर इमरजेंसी विभागाध्यक्ष डा. ...
- 50 हजार से अधिक लो... की होती सर्पदंश से ...

**stormwater drainage at Saidpur**

**households to support microeconomic activities**

net also approved the extension of JP Ganga Path via Digha, Sherpur and Bihta up to Koilwar (35km) using the Hybrid Annuity Model.

In the education sector, Rs 281 crore was approved for building boys' and girls' hostels at engineering colleges in Arwal, Rohtas and Jehanabad, as well as at Muzaffarpur Institute of Technology and polytechnics in Madhubani (West Champaran) and Saharsa. New digital planetariums and space/astronomy education centres will be set up in East Champaran, Jamui and Purnia. A sum of Rs 32 crore was sanctioned for a drinking water supply system in Jehanabad.

The cabinet also gave its formal approval to the policy announcements made by CM Nitish Kumar following his recent dialogues with Jeevika didis and elected PRI representatives. This includes increasing the project sanctioning cap for mukhiya from Rs 5 lakh to Rs 10 lakh and enhan-

...ing the rest.

Further, the cabinet approved the construction of 8,053 Kanya Vivah Mandaps, one in each panchayat, at a cost of Rs 50 lakh per mandap. These community halls for weddings and social functions will be built by the panchayats themselves, with the full project costing Rs 4,026 crore over five years.

Highlighting the need for targeted economic support, chief secretary Amrit Lal Meena said the 2022-23 caste-based headcount and economic survey revealed 94 lakh families in the state with a monthly income of just Rs 6,000.

# IGIMS gets oncology ward, two modular OTs & other facilities

**Jainarain Pandey** | TNN

**Patna:** Health minister Mangal Pandey on Tuesday inaugurated four new facilities in the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGIMS). The facilities have been developed with an expenditure of Rs 8 crore and include paediatric oncology ward, two modular OTs, robotic operated physiotherapy and molecular pharmacology research lab in the pharmacology department.

The minister said the 12-bed paediatric oncology ward has been built to provide a family-like atmosphere to the children undergoing treatment there. The facilities include playing, studying with a child psychologist and dietician.

The minister, along with Digha MLA Sanjeev Chaurasia, also met children who have overcome cancer with great joy and inquired about their well-being.

Pandey said the modern modular OTs in the cancer department include high quality ventilation and filtration systems for infection control of the patients of the State Cancer Centre during and after surgery. "The new OTs will prove to be more effective in the fight against cancer," he said.

The minister thanked the IOCL for providing funds under CSR for the modern equipment in the physiotherapy department. "It will help in the treatment of spinal pain, spondylitis, problems due to nerve compression etc. An attempt is being made to give a modern form to physiotherapy for many diseases like brain injury, Parkinson and stroke. The equipment have been developed with indigenous technology by experts from institutions like AIIMS, New Delhi and IIT," he said.

The minister thanked IGIMS director Dr Binde Kumar, deputy director (administration) Dr Vibhuti Prasanna Sinha and senior doctors for their continuous service to the patients.

Ranjeet Kumar

State health minister Mangal Pandey meets cancer survivors at IGIMS in Patna on Tuesday

दैनिक जागरण पटना, 25 जून, 2025

राजधानी जागरण

# आइजीआइएमएस में 10 करोड़ की लागत से चार अत्याधुनिक सुविधाएं

बेहतरी की ओर

- स्वास्थ्य मंत्री ने पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड, ओटी व अन्य सुविधाओं का किया उद्घाटन
- कैंसर पीड़ित बच्चों को इलाज के साथ मिलेगी पढ़ाई और खेल की सुविधा, तकनीक को बढ़ावा

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अब प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सपना है कि आइजीआइएमएस का नाम देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में शामिल हो, इसके लिए निरंतर नई सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। आने वाले चंद माह में आइजीआइएमएस में कई और नई सुविधाएं मरीजों व तीमारदारों को मिलने जा रही है। संस्थान प्रशासन तेजी से इनकी व्यवस्था करने में जुटा है। ये बातें उन्होंने मंगलवार को करीब 10 करोड़ की लागत से शुरू चार अत्याधुनिक सुविधाओं के उद्घाटन समारोह में कहीं। स्टेट कैंसर सेंटर में 10 बेड के पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड, तीन माड्यूलर आपरेशन थिएटर, 500 बेड के मेडिसिन ब्लाक के छठे तल पर रोबोटिक स्पाइनल

आइजीआइएमएस में प्रस्तावित पीजीआइडीईआर का माडल स्वास्थ्य मंत्री एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय को भेंट करते निदेशक डा. बिंदे कुमार • जागरण

मशीन, वीआर थेरेपी समेत तीन करोड़ के अत्याधुनिक उपकरणों व मालीक्यूलर फार्माकोलाजी रिसर्च लैब का लोकार्पण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने संस्थान के निदेशक डा. बिंदे कुमार व उपनिदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि आइजीआइएमएस में शुरू ये नई सुविधाएं प्रदेश स्वास्थ्य सेवा में मील का पत्थर साबित होंगी। मौके पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया, निदेशक डा. बिंदे कुमार, उपनिदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, नेत्र रोग विभाग में आइ बैंक के प्रभारी डा. नीलेश मोहन, डा. जयंत प्रकाश, कैंसर विभाग के डा. शशि पवार, डा. दिनेश कुमार, ईएनटी के विभागाध्यक्ष डा. राकेश कुमार सिंह, एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डा. प्रकाश दूबे, डा. पीके झा, डा. संतोष कुमार, डा. राजकुमार, डा. नितेश कुमार, डा. प्रदीप जायसवाल, डा. प्रीतपाल सिंह, डा. ऋचा माधवी, डा. विनय पांडेय आदि मौजूद थे।

## पारिवारिक माहौल में होगा कैंसर पीड़ित बच्चों का इलाज

आइजीआइएमएस प्रदेश का पहला सरकारी संस्थान बन गया है, जहां कैंसर पीड़ित बच्चों का इलाज पारिवारिक माहौल में होगा। 10 बेड के पीडियाट्रिक ऑंकोलाजी वार्ड में झूले, किताबें, खेलने की जगह के साथ डायटिशियन व पैथोलाजिस्ट की देखरेख में विशेष खानपान की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमउम्र बच्चों के बीच बच्चे सहज महसूस करेंगे व मानसिक राहत का इलाज पर सकारात्मक प्रभाव होगा। इससे वे न सिर्फ स्वस्थ होंगे बल्कि मुस्कराते हुए स्वस्थ जीवन की ओर लौटेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आने वाले दो माह में 1250 बेड के नए अस्पताल के दो टावर शुरू करने का लक्ष्य है। इससे बेड की कमी से रोगियों को मायूस नहीं लौटना पड़ेगा। इसके अलावा नेत्र रोग विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा, क्रिटिकल केयर यूनिट में अतिरिक्त बेड व लाखों की लागत के नए उपकरण जल्द मिलेंगे।

**स्पाइन-लकवा मरीजों के लिए रोबोटिक फिजियोथेरेपी शुरू :** संस्थान में अब लकवा, स्पाइनल कार्ड व ब्रेन इंज्युरी ग्रस्त मरीजों को अत्याधुनिक बायोफीडबैक आधारित रोबोटिक न्यूरो फिजियोथेरेपी की सुविधा मिलेगी। 2 करोड़ की लागत की इस मशीन से मरीज के मस्तिष्क के संकेतकों व मांसपेशियों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण कर उपचार होगा। इससे न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर के कारण चलने-फिरने में अक्षम मरीज तेजी से स्वस्थ होंगे। ये सभी उपकरण एम्स दिल्ली, आइआइटी के विशेषज्ञों ने स्वदेशी तकनीक से विकसित किए हैं।

पटना, बुधवार
25.06.2025
आषाढ़ कृष्ण अमावस्या संवत 2082
पृष्ठ 20, मूल्य : ₹ 4
नगर संस्करण
वर्ष : 29, अंक : 53
रजिस्ट्रेशन : आर एन 66055/96
prabhatkhabar.com

मरीजों को सुविधा. स्वास्थ्य मंत्री ने चार नयी सुविधाओं की शुरुआत की

# आइजीआइएमएस में खेल-खेल में कैंसर से पीड़ित बच्चों का होगा इलाज, विशेष वार्ड शुरू

संवाददाता, पटना

**इंदिरा** गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से चार नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया. इनमें स्टेट कैंसर सेंटर में 10 बेड के पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी कैंसर वार्ड, 3 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, 500 बेड के नये अस्पताल के छठे फ्लोर पर रोबोटिक समेत अन्य कई उपकरण और मॉलिक्यूलर फार्माकोलॉजी रिसर्च लैब का लोकार्पण किया. अपने उद्घाटन भाषण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आइजीआइएमएस सहित बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों में लगातार नयी व आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है. यही वजह है कि अब बिहार की जनता को इलाज के लिए दूसरे प्रदेश नहीं जाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आइजीआइएमएस में कई नयी सुविधाएं मरीज व उनके परिजनों को मिलने जा रही हैं. इसकी तैयारी संस्थान प्रशासन की ओर से की जा रही है.

## 12 बेड का पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी खुला

अस्पताल में नयी सुविधाओं को देखते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय व अन्य.

उद्घाटन के दौरान मंगल पांडेय ने कहा कि कुल 12 बेड का पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी वार्ड है, इसमें 10 बेड पर इलाज की सुविधा शुरू कर दी गयी है. यहां बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल के लिए अलग से सुविधा प्रदान की गयी है. .इसके अलावा यहां अलग से खान-पान के लिए पैथोलॉजिस्ट व डायटीशियन नियुक्त किये गये हैं. पारिवारिक माहौल में बच्चों का इलाज भी होगा और पढ़ाई व मनोरंजन भी. ताकि उनको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो

## शुरू हुआ रोबोटिक न्यूरो फिजियोथेरेपी से इलाज

निदेशक डॉ बिंदे कुमार ने कहा कि लकवा, स्पाइनल कॉर्ड या ब्रेन इंज्यूरी जैसे न्यूरो संबंधित विकार शारीरिक अक्षमता के सबसे बड़े कारणों में से एक है और इस तरह के मरीजों की रिकवरी में फिजियोथेरेपी की बहुत अहम भूमिका रहती है. लेकिन अब इन मरीजों का रोबोटिक तकनीक से इलाज संस्थान में शुरू कर दिया गया है. इसका उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री ने किया.

## राजेंद्र नगर नेत्रालय में अगले सत्र से शुरू होगा डीएनबी कोर्स

**पटना .** राजेंद्र नगर नेत्रालय में अगले सत्र से डीएनबी कोर्स शुरू कर दिया जायेगा. अस्पताल प्रशासन के अनुसार यहां 10 सीटों पर डीएनबी कोर्स की तैयारी शुरू कर दी जायेगी. इससे प्रदेश के ऑफ्थैल्मोलॉजिस्ट को बाहर जाकर यह कोर्स करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसके अलावा अस्पताल में ही लाये गये आधुनिक उपकरणों से ही उनको प्रशिक्षण भी दिया जायेगा. उन्होंने यह भी बताया कि 2011 में अस्पताल के चालू होने के बाद ही ऑफ्थैमोलॉजी में डीएनबी कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है. लेकिन, हर साल विभागीय कारणों से यह बार-बार टल जा रहा था. मालूम हो कि डीएनबी कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया अगले वर्ष ही चालू कर दी गयी थी. फिलहाल अस्पताल में रोजाना 600 से अधिक मरीजों की आंखों का इलाज किया जाता है.